एसएमएस अस्पताल से अपहृत मासूम दिव्यांश सकुशल बरामद, आरोपी गिरफ्तार

आरोपी हेमेन्द्र के घर में 4 बेटियां थी, बेटे की चाहत में उसने 1 माह तक रैकी के बाद 4 महीने के दिव्यांश को चुराया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी के सवाई मानसिंह अस्पताल के बांगड़ यूनिट से चोरी किए गए 4 महीने के मासूम बच्चे को जयपुर पुलिस ने सकुशल दस्तयाब कर लिया है। 3 दिन बाद पुलिस ने बच्चे को शिप्रा पथ इलाके के रीको इंडस्ट्रियल एरिया की पवन विहार कॉलोनी से दस्तयाब किया है। बच्चे को किडनैप करने वाले आरोपी राजू उर्फ हेमेंद्र निवासी नदबई (भरतपुर) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी हेमेंद्र के घर में 4 बेटियां थी, और बेटा नहीं था। ऐसे में बेटे की चाहत में हेमेंद्र ने करीब 1 महीने तक रैकी करने के बाद 4 महीने के दिव्यांश को सवाई मानसिंह अस्पताल से चुरा लिया।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अजयपाल लाम्बा ने बताया कि आरोपी ने वारदात को अंजाम को अंजाम देने के लिए कई दिन तक दिव्यांश के परिजनों की मदद की और उन्हें विश्वास में लिया। चार दिन पहले बांगड़ अस्पताल में मौका देख कर वह बच्चे का किडनैप कर फरार हो गया। 3 दिन तक आरोपी ने इस बच्चे को अपने घर पर छुपाए रखा। अचानक से महेश नगर थाने के कांस्टेबल भीम सिंह को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जयपुर शहर के अस्पताल से गायब हुआ 4 महीने का मासूम दिव्यांश शिप्रापथ के रीको इंडस्ट्रियल एरिया के पवन विहार कॉलोनी में एक मकान में देखा गया है। सूचना पर कांस्टेबल भीम सिंह खुद अकेला कॉलोनी में पहुंचा और आरोपी के बारे में सूचना जुटाना शुरू कर दिया। सूचना पुख्ता हो जाने के बाद कांस्टेबल भीम सिंह ने महेश नगर थाने की मदद से आरोपी को बच्चे के साथ रंगे हाथों दबोच लिया। जब वह आरोपी के घर पर पहुंचा तो बच्चा सकुशल उसके परिजनों की गोद में खेल रहा था।

पुलिस ने मासूम के अपहर्ता हेमेन्द्र को गिरफ्तार कर बालक को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

- **महेश नगर थाने के कांस्टेबल भीम सिंह ने मुखबिर की मदद से दिव्यांश का पता लगाया, सूचना पुख्ता होते ही आरोपी को दबोच लिया**
- **6 माह से बच्चे के अपहरण की योजना बना रहा था आरोपी, सिंधी कैंप बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर भी कोशिश की, लेकिन सफल न हो सका**
- **पुलिस इस पूरे प्रकरण में आरोपी हेमेंद्र के परिवार की भूमिका भी जांच रही है, ऐसे में बाकी लोगों की गिरफ्तारी भी हो सकती है।**

पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी राजू उर्फ हेमेंद्र पिछले 6 महीने से अपने लिए एक बच्चे की किडनैपिंग करने की योजना बना रहा था। उसे बच्चे की चाहत थी। ऐसे में सिंधी कैंप, रेलवे स्टेशन पर भी आरोपी ने बच्चा किडनैप करने की योजना भी बनाई थी। लेकिन इस योजना में आरोपी फेल हो गया। मौका देख कर आरोपी सवाई मानसिंह अस्पताल से ये बच्चा चोरी करने में कामयाब हो गया। हालांकि इस पूरे प्रकरण में हेमेंद्र के परिवार की भूमिका को लेकर भी पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। किडनैपिंग के इस प्रकरण में परिवार की भूमिका पाए जाने पर अन्य लोगों को भी पुलिस गिरफ्तार कर सकती है। पुलिस ने बच्चे को सकुशल दस्तयाब कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। उधर बच्चे के मिलने की सूचना मिलने पर परिवार दौसा से जयपुर पहुंचा। बच्चे के दादा कालू, दादी सहित अन्य परिवारजन कमिश्नरेट पहुंचे। पुलिस ने बच्चे को परिवार को सुपूर्द कर दिया। जिसके बाद परिवार खुश नजर आया। बच्चे को पाकर परिजनों की आंखें खुशी से भीग गई।

एडि. कमिश्नर (फर्स्ट) अजय पाल लाम्बा ने बताया कि आरोपी हेमेंद्र उर्फ राजू (29) मूलतः नदबई, भरतपुर का रहने वाला है। वह मानसरोवर इलाके में किराए से रहकर दिहाड़ी मजदूरी के लिए रोज मानसरोवर वीटी रोड चौराहे पर जाता था। पिछले चार दिन से वह चौराहे पर नहीं आ रहा था। बच्चा चोरी करने के बाद वह किसी से मिल भी नहीं रहा था।

हॉस्पिटल से बच्चा चोरी के बाद आरोपी सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ। तलाश के लिए आमजन को बच्चा चोर का हुलिया जारी किया गया। हुलिए के आधार पर पुलिस को आरोपी राजू के बारे में पता चला। पुलिस ने शनिवार सुबह राजू के मोबाइल नंबर वीटी रोड चौराहे पर खड़े होने वाले उसके साथियों से लिया था। कॉन्टैक्ट करने पर राजू ने खुद को गांव में होने की जानकारी दी। पुलिस ने लोकेशन निकलवाई तो वह जयपुर की आई। राजू के घर पुलिस ने शनिवार शाम करीब 4 बजे दबिश दी। घर में दिव्यांश उसकी मां-पत्नी की गोद में खेलता मिला। राजू और बच्चे को पुलिस थाने ले आई। जांच में सामने आया है कि आरोपी के परिवार में बच्चे की जरूरत थी। इसके चलते उसने एसएमएस हॉस्पिटल से बच्चा दिव्यांश चुराया था।

ज्ञात रहे कि दरअसल, दौसा के कालूराम ने पोते आयुष को 24 जुलाई बांगड़ हॉस्पिटल को भर्ती करवाया था। उसकी रीढ़ की हड्डी में परेशानी है। इस दौरान मदद के बहाने आरोपी भी कालूराम के साथ हो गया। वो उन्हें खाना लाकर देता था, अस्पताल में दवाई लाना और अन्य काम में मदद करने लगा। बच्चे के दादा-दादी को कॉन्फिडेंस में लिया। बुधवार को खाना खाने के दौरान दादा ने 4 माह के दिव्यांश को आरोपी को दे दिया। इसी का फायदा उठा फरार हो गया।

28 साल तक शिक्षक ने नौकरी की, अब सरकार ने चयन ही अवैध माना

- **याचिका में कहा कि विभाग में कई बार अभ्यावेदन देने के बाद भी उसे नियमित नहीं किया गया**
- **सेवानिवृत्ति के बाद उसे पेंशन परिलाभ नही दिये गये तो उसने हाईकोर्ट में याचिका पेश की**
- **अदालत ने बीकानेर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और जिला शिक्षाधिकारी को हाजिर होने के आदेश दिये**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी शिक्षक की सेवानिवृत्ति के बाद उसके चयन को अवैध मानने पर बीकानेर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और जिला शिक्षाधिकारी को तीस अगस्त को हाजिर होने के आदेश दिए हैं। जस्टिस इंद्रजीत सिंह ने यह आदेश रामस्वरूप शर्मा की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता की नियुक्ति 24 अप्रैल, 1990 को बीकानेर जिला परिषद में हुई थी। विभाग में कई बार अभ्यावेदन देने के बाद भी उसे नियमित नहीं किया गया। वहीं जून, 2018 को वह जयपुर के दूदू से सेवानिवृत्त हो गया। जब उसे पेंशन परिलाभ नहीं दिए गए तो उसने हाईकोर्ट में याचिका पेश की। इस पर सुनवाई करते हुए गत दिनों अदालत ने विभाग से जवाब मांगा था। इसके जवाब में विभाग ने कहा कि याचिकाकर्ता की नियुक्ति पूर्ण रूप से अस्थाई तौर पर हुई थी। शिक्षक ने अप्रैल 199 को जिला स्थापना समिति को अध्यापक चयन के लिए आवेदन किया, लेकिन संवीक्षा रिपोर्ट पर प्रभारी अधिकारी के हस्ताक्षर नहीं होने तक उसकी बीएसटीसी की डिग्री की जांच रिपोर्ट नहीं होने के कारण उसका चयन नहीं किया गया। वहीं बाद में उसका तबादला बीकानेर से जयपुर में हो गया। ऐसे में रिकॉर्ड के अभाव में आगे की कार्रवाई नहीं हो पाई। इसके अलावा जयपुर से इस संबंध में कोई प्रस्ताव नहीं आने के कारण जिला स्थापना समिति, बीकानेर द्वारा चयन की कार्रवाई नहीं की गई। जवाब में यह भी कहा गया कि याचिका दायर करने के बाद विभाग ने याचिकाकर्ता के डिप्लोमा की जांच के लिए कमेटी गठित की। कमेटी को संबंधित संस्था ने बताया कि प्रयागराज हाईकोर्ट के वर्ष 2004 के आदेश पर संस्था का रिकॉर्ड सीज होने के कारण याचिकाकर्ता की अंकतालिका का सत्यापन नहीं हो पाएगा। वहीं कमेटी को राष्ट्रीय पत्राचार संस्थान, कानपुर की रजिस्ट्रार गीता मिश्रा ने बताया कि संस्थान ने याचिकाकर्ता को उपाधि नहीं दी है।

ऐसे में जिला स्थापना समिति ने गत दो अगस्त को याचिकाकर्ता के प्राइमरी टीचर प्रमाण पत्र को वैध नहीं मानते हुए उनका स्थायीकरण नही करने का निर्णय लिया है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी और जिला शिक्षाधिकारी को हाजिर होकर जवाब देने को कहा है।

पहले से काम कर रहे अधिकारी को राहत दी हाईकोर्ट ने

जयपुर, (का.सं.)। जल संसाधन विभाग में खंडीय लेखाकार के पद पर प्रयागराज से प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारी ने पद ग्रहण कर लिया, लेकिन राज्य सरकार ने इस पद पर पहले से ही काम कर रहे अधिकारी का तबादला नहीं किया। मामला हाईकोर्ट में आने पर अदालत ने अब पहले से काम कर रहे अधिकारी को पद पर बने रहने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने निदेशक राजकोष और महालेखाकार सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह ने यह आदेश यशवंत सिंह की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता भावना चौधरी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता अधिशासी अभियंता जल संसाधन, सीकर में खंडीय लेखाकार के रिक्त पद का काम देख रहा है। कार्यालय महालेखाकार राजस्थान ने गत 2 फरवरी को एजी कार्यालय प्रयागराज के अधीन अलीगढ़ में पदस्थापित भरत सिंह को याचिकाकर्ता के पद पर प्रतिनियुक्ति दे दी। वहीं याचिकाकर्ता का दूसरी जगह तबादला भी नहीं किया। इस संबंध में जल संसाधन विभाग ने निदेशक लेखाकार को पत्र लिखकर याचिकाकर्ता के संबंध में मार्गदर्शन भी मांगा था। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता के पद पर अन्य अधिकारी की प्रतिनियुक्ति दर्शाती है कि महालेखाकार कार्यालय ने बिना दिमाग लगाए मशीनी अंदाज में आदेश पारित किया है, जो नियम विरूद्ध है।

कांग्रेस ने बनाई तीन सदस्यीय कमेटी

जयपुर, (का.प्र.)। जालौर जिले में आश्रम के रास्ते को लेकर हुए विवाद के बाद एक संत की आत्महत्या के मामले में प्रदेश कांग्रेस की ओर से कमेटी बनाई गई है जो इस पूरे मामले की जांच कर तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को पेश करेगी। कमेटी में मंत्री रामलाल जाट, अर्जुनसिंह बामनिया और भूराराम सिरवी सचिव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी को शामिल किया गया है। कांग्रेस का कहना है कि जालौर जिले के भीनमाल से भाजपा विधायक पूराराम चौधरी की ओर से जालौर जिले के जसवंतपुरा क्षेत्र के बाल हनुमान आश्रम के संत रविनाथ को परेशान किया गया। इस कारण संत रविनाथ को आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़ा।

गुजरात की तीन विधानसभाओं में कांग्रेसजनों से चर्चा की भाया ने

जयपुर, (का.प्र.)। आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए राजस्थान कांग्रेस के कई मंत्री और विधायकों सहित अन्य नेताओं को अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारियां दी गई हैं। इन्हीं जिम्मेदारियों के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से खान एवं गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया को गुजरात राज्य की तीन विधानसभाओं का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। जिम्मेदारी मिलने के बाद मंत्री भाया ने गुजरात पहुंचकर तीन विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसजनों की बैठक ली।

मंत्री भाया द्वारा गुजरात पहुंचकर उनके प्रभार वाली राजकोट शहर के तीन विधानसभा क्षेत्र राजकोट ईस्ट (68), राजकोट वेस्ट (69) एवं राजकोट साउथ (70) के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर विधानसभा चुनाव की रणनीति को लेकर राय-मशविरा किया गया। मंत्री प्रमोद जैन भाया के साथ बारां-अटरू विधायक पानाचंद मेघवाल भी गुजरात राज्य के राजकोट शहर की इन तीनों विधानसभाओं की कमाल संभाल रहे है।

मंत्री प्रमोद जैन भाया तथा विधायक पानाचंद मेघवाल गुजरात की राजकोट शहर विधानसभा की तीनों सीटों से आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस प्रत्याशियों को विजयी बनाने के लिए चुनावी रणनीति बनाने में पूरी तरह से जुटे हुए हैं।

सराफ ने किया वृक्षारोपण

जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 133 वसुंधरा कॉलोनी में वृक्षारोपण किया। सराफ ने स्थानीय लोगों के साथ शीशम, आम, गुलमोहर एवं अशोक के पेड़ लगाये। सराफ ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति एक पेड़ जरूर लगाएं और एक साल तक उसकी देखभाल करें फिर वही पेड़ जीवन भर आपको ऑक्सीजन देगा। स्थानीय पार्षद रमेश सैनी ने बताया कि सभी लोगों ने संकल्प लिया कि पेड़ लगाएंगे और उसकी देखभाल जरूर करेंगे।

लम्पी स्किन बीमारी को जल्द नियंत्रित करने के लिए केन्द्र हर संभव मदद करेगा : रूपाला

जयपुर, (का.सं.)। केन्द्रीय पशुपालन मंत्री पुरूषोतम रूपाला ने कहा कि मवेशियों में फैल रही लम्पी स्किन डिजीज की रोकथाम के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार मिलकर गंभीर प्रयास कर रही है और जल्द ही इसे नियंत्रित करने में सफल होंगे। उन्होंने बीमारी से बचाव के लिए राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों को संतोषजनक बताते हुए केन्द्र से हर संभव मदद करने के लिए आश्वस्त किया। रूपाला शनिवार को यहां शासन सचिवालय में राज्य सरकार के मंत्रियों तथा विभागीय अधिकारियों के साथ प्रदेश में लम्पी स्किन डिजीज की स्थिति एवं रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा कर रहे थे।

केन्द्रीय पशुपालन मंत्री ने कहा कि इस वायरस जनित बीमारी को फैलने से रोकने के लिए पूरी क्षमता के साथ प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो पशु इससे सक्रंमित हो गए हैं, उन्हें स्वस्थ पशुओं से अलग रखें और स्वस्थ पशुओं का वेक्सीनेशन कराएं। इसके लिए डेडिकेटेड आइसोलेशन सेंटर भी बनाए जाएं, ताकि संक्रमण रोकने में मदद मिले और चिकित्सा एवं देखभाल करना आसान हो। उन्होंने कहा कि इस बीमारी से बचने के लिए गोट पॉक्स वेक्सीन पूरी तरह कारगर है। अति प्रभावित क्षेत्र में 3 एम.एल. के डोज का उपयोग करें और कम प्रभावित एवं अप्रभावित क्षेत्र के पशुओं को 1 एम.एल. का डोज लगाएं। केन्द्रीय मंत्री रूपाला ने वेक्सीन एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के साथ प्राथमिकता से फंड देने के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एस.डी.आर.एफ. का तुरंत प्रभाव से उपयोग करना शुरू करें और केन्द्र सरकार से जहां अनुमति की आवश्यकता हो तो शीघ्र प्रस्ताव बनाकर भिजवाएं। उन्होंने कहा कि राज्य की सभी मांगों का गंभीरता से आंकलन कर मदद की जाएगी।

पुरुष फोर्स लॉन बॉल में भारत को मिला रजत

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय पुरुष फोर्स लॉन बॉल टीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को फाइनल में नॉर्थर्न आइलैंड से हारने के बाद रजत से संतोष किया। नॉर्थर्न आइलैंड ने भारत को 15-8 से मात देकर स्वर्ण पदक हासिल किया। भारतीय टीम मैच के ज्यादातर हिस्से में मुकाबले से बाहर नज़र आयी, जबकि नॉर्थर्न आइलैंड ने एक के बाद एक पॉइंट स्कोर किया।

यह बर्मिंघम 2022 के लॉन बॉल आयोजन में भारत का दूसरा पदक है। इससे पहले भारतीय महिला फोर्स लॉन बोल टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को मात देकर ऐतिहासिक स्वर्ण पदक हासिल किया था। भारत अब तक राष्ट्रमंडल खेल 2022 में नौ स्वर्ण, 10 रजत और नौ कांस्य सहित 28 पदक जीत चुका है।

पूजा गहलोत ने महिला 50 किग्रा में जीता कांस्य

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय पहलवान पूजा गहलोत ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को स्कॉटलैंड की क्रिस्टेल लेमोफेक को हराकर कांस्य पदक हासिल किया। पूजा ने कांस्य पदक मैच में स्कॉटलैंड की पहलवान को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर मात दी। क्रिस्टेल ने मैच की शुरुआत में पूजा को टेकडाउन कर दो अंक हासिल कर लिये थे, लेकिन पूजा ने बिना समय व्यर्थ किये 12 पॉइंट हासिल किये, जिसके बाद उन्हें तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर विजेता घोषित कर दिया गया।

दिव्या और मोहित ने जीते कांस्य

बर्मिंघम, 6 अगस्त। दिव्या काकरान (महिला 68) और मोहित ग्रेवाल (पुरुष 125) ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीत लिए हैं। दिव्या काकरान ने शुक्रवार को टोंगा की टाइगर लिली लेमाली को मात देकर कांस्य पदक जीता। दिव्या ने कांस्य पदक मैच में टाइगर लिली को हराने के लिये सिर्फ 26 सेकंड का समय लिया। दिल्ली स्टेट चैंपियनशिप में 60 पदक जीत चुकी दिव्या ने मैच शुरू होते ही टाइगर लिली को अपनी गिरफ्त में कस लिया और उन्हें चित्त (विन बाई फॉल) करके मुकाबला जीता। मोहित ग्रेवाल ने 125 किग्रा के कांस्य पदक मैच में जमैका के आरोन जॉनसन को चित्त करके कांस्य पदक प्राप्त किया। भारत बर्मिंघम 2022 में अब तक 27 पदक जीत चुका है, जिसमें से छह पदक कुश्ती से आये हैं। साथ ही भारत नौ स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गया है।

इंग्लैंड पर रोमांचक जीत से भारत महिला क्रिकेट के फाइनल में

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मेजबान इंग्लैंड को शनिवार को रोमांचक सेमीफाइनल में चार रन से हराकर महिला क्रिकेट के फ़ाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत ने स्मृति मंधाना (61) और जेमीमाह रॉड्रिगेज़ (44) की पारियों की बदौलत पांच विकेट पर 164 रन बनाये और फिर इंग्लैंड की चुनौती को 20 ओवर में छह विकेट पर 160 रन पर रोक लिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्मृति ने भारत को मज़बूत शुरुआत दिलायी। उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने पावरप्ले में 64 रन जोड़े। भारत का पहला विकेट 76 रन पर शफाली वर्मा के रूप में गिरा जिन्होंने 17 गेंदों पर 15 रन बनाये। इसके फौरन बाद ही स्मृति भी 32 गेंदों पर 61 रन बनाकर पवेलियन लौट गयीं।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (20) के आउट होने के बाद पारी की कमान जेमीमाह और दीप्ति शर्मा ने संभाली। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिये 38 गेंदों पर 53 रन जोड़े। दीप्ति 20 गेंदों पर दो चौकों की बदौलत 22 रन बनाकर आउट हो गयीं, जबकि रॉड्रिगेज़ ने 31 गेंदों पर सात चौके लगाकर 44 रन की नाबाद पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से फ्रेया केंप ने दो विकेट लिये जबकि कैथरीन ब्रंट और कप्तान नैटली सिवर ने एक-एक विकेट लिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्मृति ने भारत को मज़बूत शुरुआत दिलायी। उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने पावरप्ले में 64 रन जोड़े। भारत का पहला विकेट 76 रन पर शफाली वर्मा के रूप में गिरा जिन्होंने 17 गेंदों पर 15 रन बनाये। इसके फौरन बाद ही स्मृति भी 32 गेंदों पर 61 रन बनाकर पवेलियन लौट गयीं।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (20) के आउट होने के बाद पारी की कमान जेमीमाह और दीप्ति शर्मा ने संभाली। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिये 38 गेंदों पर 53 रन जोड़े। दीप्ति 20 गेंदों पर दो चौकों की बदौलत 22 रन बनाकर आउट हो गयीं, जबकि रॉड्रिगेज़ ने 31 गेंदों पर सात चौके लगाकर 44 रन की नाबाद पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से फ्रेया केंप ने दो विकेट लिये जबकि कैथरीन ब्रंट और कप्तान नैटली सिवर ने एक-एक विकेट लिया।

आख़िरी ओवर में इंग्लैंड को छह गेंदों में 14 रन बनाने थे। आखिरी ओवर में भारतीय टीम सिर्फ़ तीन फ़ील्डर ही बाहर रख सकती थी क्योंकि धीमें ओवर रेट के कारण उन्हें पेनल्टी मिली थी। स्नेह राणा ने इस ओवर की तीसरी गेंद पर कैथरीन ब्रैंट को कप्तान हरमनप्रीत के हाथों कैच कराकर भारत की जीत का रास्ता खोल दिया। सोफ़ी एकलस्टन ने आखिरी गेंद पर छक्का मारा लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

इस जीत से झूम उठी भारतीय टीम। एक सपना जो उन्होंने देखा था इस टूर्नामेंट से पहले, अब वो उसके काफ़ी क़रीब पहुंच चुकी हैं। आज भारतीय टीम ने जिस तरीक़े से शुरुआत की थी, उससे यह साफ़ पता चल गया था कि वह इस मुक़ाबले को किस तरह से आगे बढ़ाना चाहती हैं। हालांकि इंग्लैंड की टीम ने भी लगातार दबाव बनाए रखा लेकिन मैच के आख़िरी पलो में वे भारतीय गेंदबाज़ी के सामने कारगर प्रहार करने में विफल रहीं।

भारतीय टीम की तरफ़ से पहले बल्लेबाज़ी में स्मृति और जेमिमाह ने बढ़िया बल्लेबाजी की और जब गेंदबाज़ी की बारी आई तो सभी स्पिनरों ने कमाल की गेंदबाज़ी की। इंग्लैंड की तरफ से कप्तान नैटली सीवर ने सर्वाधिक 41 और ओपनर डैनी वायट ने 35 रन बनाये। भारत की तरफ स्नेह राणा के दो विकेटों के अलावा दीप्ति शर्मा ने 18 रन पर एक विकेट लिया।

सिंधु सेमीफाइनल में, आकर्षी बाहर

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को मलेशिया की गोह जिन वी को 2-1 से मात देकर महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बनायी, जबकि आकर्षी कश्यप स्कॉटलैंड की कर्स्टी गिलमोर से हारकर बाहर हो गयीं।

पुसरला वेंकट सिंधु ने गोह को तीन गेमों के मैच में 19-21, 21-14, 21-18 से मात दी। दोनों खिलाड़ी इससे पहले तीन बार आमने-सामने आ चुके थे और सिंधु ने तीनों बार जीत दर्ज की थी। बर्मिंघम 2022 के मिश्रित टीम फाइनल में भी दोनों ने एक दूसरे का सामना किया था, जहां सिंधु ने 22-20, 21-17 से सीधे गेमों में गोह को मात दी थी।

यहां हालांकि गोह ने अपनी भारतीय प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ बेहतर मुकाबला पेश किया। उन्होंने पहला गेम 21-19 से जीता और अगले दो गेमों में भी सिंधु को जीत हासिल करने के लिये बहुत मेहनत करनी पड़ी। सिंधु ने कोर्ट के हर कोने में शॉट खेले और अंततः गोह तीसरे गेम में बेहद थकी हुई और हतोत्साहित नज़र आयीं। नतीजतन सिंधु ने अगले दो गेम 21-14, 21-18 से जीतते हुए लगातार तीसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में कदम रखा।

दूसरी ओर, सिंधु की हमवतन आकर्षी कश्यप को अपने क्वार्टरफाइनल मैच में स्कॉटलैंड की कर्स्टी गिलमोर के हाथों 2-0 हार मिली। गिलमोर ने आकर्षी को 21-10, 21-7 के सीधे गेमों में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी।

निखत, नीतू, पंघाल फाइनल में, जैस्मीन हारी

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारतीय मुक्केबाज निखत ज़रीन, अमित पंघल और नीतू घंघस ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को अपने-अपने वर्ग के मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनायी, जबकि जैस्मीन लंबोरिया को हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियन निखत ने महिला 50 किग्रा लाइट फ्लाइवेट सेमीफाइनल में इंग्लैंड की सवानाह अल्फिया स्टब्ली को 5-0 से रौंदा। पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा ले रही निखत ने क्वार्टरफाइनल में वेल्स की हेलेना जोन्स को भी 5-0 से मात दी थी। पंघल ने 51 किग्रा फ्लाइवेट सेमीफाइनल मैच में ज़ाम्बिया के पैट्रिक चिनयेंबा को सर्वसम्मत निर्णय से मात दी। पंघल लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में पहुंचे हैं।

साबले ने 3000 मीटर स्टीपलचेज में जीता रजत

बर्मिंघम, 6 अगस्त। भारत के अविनाश साबले ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शनिवार को 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में रजत पदक अपने नाम किया। साबले ने 8:11.20 मिनट के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ दौड़ को दूसरे स्थान पर पूरा किया, जबकि केन्या के अब्राहम किबिवोट 8:11.20 मिनट में दौड़ को पूरा करके पहले स्थान पर रहे। दौड़ के शुरुआती पलों में किबिवोट और उनके हमवतन आमोस सेरेम पहले एवं दूसरे स्थान पर चल रहे थे, लेकिन आखिरी क्षणों में साबले ने अपनी रफ्तार बढ़ाते हुए दूसरा स्थान हासिल किया, हालांकि वह 0.05 सेकंड से स्वर्ण पदक से चूक गये। सेरेम ने 8:16.83 मिनट के साथ कांस्य पदक से संतोष किया।